University in News on 30 May 2021

JAGRAN CITY PAGE I

लखनऊ विश्वविद्यालय को नेचर इंडेक्स में मिला 31वां स्थान

जागरण संवाददाता, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय को नेचर इंडेक्स 2021 द्वारा देशभर के 124 विश्वविद्यालयों में 31वां स्थान मिला है। नेचर इंडेक्स विश्वभर में विश्वविद्यालयों के रिसर्च आउटपुट का प्रतिष्ठित इंटरनेशनल इंडिकेटर है।

लविवि को सभी शिक्षण संस्थानों और शोध संस्थानों में, जिनमें आइआइटी भी शामिल हैं, 72वें रैंक पर रखा गया है। इस रैंकिंग के लिए लविवि के शोधार्थियों द्वारा एक दिसंबर 2019 और 30 नवंबर 2020 के बीच छापे गए सभी शोध पत्रों को ध्यान में रखा गया है। लविवि ने इस साल फिजिकल साइंस में शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर के 58 विश्वविद्यालयों में 14वां स्थान प्राप्त किया है। कुलपति आलोक कुमार राय ने कहा कि नेचर इंडेक्स में लविवि के ऊंचे स्थान को विश्वविद्यालय के हाल में मिले वैश्विक रैंकिंग, जैसे टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, यूनिवर्सिटी रैंकिंग फॉर एकेडमिक परफॉर्मेंस, सीएमैगो इंस्टिट्यूशन रैंकिंग, वेबोमेट्रिक्स रैंकिंग, यूनिरैंकिंग, एडुरेंकिंग आदि में प्रतिबिंबित होते देखा जा सकता है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नेचर इंडेक्स में लविवि 31वें पायदान पर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के खाते में शनिवार को एक और उपलब्धि जुड़ गई है। नेचर इंडेक्स में लखनऊ विश्वविद्यालय को 124 विश्वविद्यालयों में से 31वां स्थान मिला है, जबकि शिक्षण व शोध में 72वी रैंक मिली है। नेचर इंडेक्स विश्व भर में विश्वविद्यालयों के रिसर्च आउटपुट का प्रतिष्ठित इंटरनेशनल इंडिकेटर है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि नेचर इंडेक्स में लखनऊ विश्वविद्यालय को ऊंचा स्थान मिलना सभी की मेहनत का नतीजा है। हाल ही में विश्वविद्यालय को वैश्विक रैंकिंग, जैसे टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, यूनिवर्सिटी रैंकिंग फॉर एकेडमिक परफॉर्मेंस, एससीआई मैगो इंस्टीट्यूशन रैंकिंग, वेबोमेट्रिक्स रैंकिंग, यूनिरैंकिंग, एडुरेंकिंग आदि में प्रतिबिंबित होते देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किए जा रहे उच्च कोटि के शोध बताते हैं कि विश्वविद्यालय का रिसर्च एक्सीलेंस पर कितना फोकस है। उन्होंने कहा कि हम शिक्षकों व विद्यार्थियों के लिए हर शोध सुविधा बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इतना ही नहीं लविवि इस सत्र से पार्ट टाइम पीएचडी की भी शुरुआत करने जा रहा है, जो अपने तरह का अलग और दूरगामी परिणाम देने वाला होगा।

शिक्षण व शोध संस्थानों में 72वीं रैंक

लविवि व भाषा विवि ने जारी किए सेमेस्टर परीक्षा परिणाम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को चार कोर्सों के सेमेस्टर व बैक पेपर के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि एमएससी बॉटनी थर्ड सेमेस्टर, एमए एजुकेशन थर्ड सेमेस्टर, लॉ ऑनर्स फर्स्ट सेमेस्टर, एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम फर्स्ट सेमेस्टर के बैक का परिणाम जारी किया गया है। वहीं, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बीए ऑनर्स अरबी, अंग्रेजी, इतिहास, उर्दू, बीए जेएमसी, एमए अरबी, एमए इतिहास, एमए फारसी, एमबीए एवं एमकॉम विषयों के प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। मीडिया प्रभारी डॉ. तनु डंग ने बताया कि जारी सभी परिणाम विश्वविद्यालय पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं।

i-NEXT PAGE 2

एलयू नेचर इंडेक्स में 31 वीं रैंक पर

LUCKNOW(29 May): लखनऊ यूनिवर्सिटी को नेचर इंडेक्स 2021 द्वारा देशभर के 124 विश्वविद्यालयों में 31 वें स्थान पर रखा गया है. नेचर इंडेक्स विश्वभर में विश्वविद्यालयों के रिसर्च आउटपुट का प्रतिष्ठित इंटरनेशनल इंडिकेटर है. इस रैंकिंग के यूनिवर्सिटी के रिसर्च स्कॉलर के रिसर्च पेपर को शामिल किया गया है. फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी से लेकर एनवायरमेंट से जुड़े विषयों पर किए गए रिसर्च को शामिल किया गया है. एलयू ने इस साल फिजिकल साइंस में शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर के 58 विश्वविद्यालयों में 14 स्थान प्राप्त किया है.

PIONEER PAGE 3

नेचर इंडेक्स 2021 में एलयू को मिला 31वां स्थान

लखनऊ। नेचर इंडेक्स 2021 द्वारा देशभर के 124 विश्वविद्यालयों में लखनऊ विश्वविद्यालय को 31 वें स्थान पर रखा गया है। नेचर इंडेक्स विश्व भर में विश्वविद्यालयों के रिसर्च आउटपुट का प्रतिष्ठित इंटरनेशनल इंडिकेटर है। इस रैंकिंग के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा दिसंबर 2019 से नवंबर 2020 के बीच छापे गए सभी शोध पत्रों को ध्यान में रखा गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इस साल फिजिकल साइंस में शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर के 58 विश्वविद्यालयों में 14 स्थान प्राप्त किया है। विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि नेचर इंडेक्स में लखनऊ विश्वविद्यालय के इस स्थान को विश्वविद्यालय को हाल ही में मिले वैश्विक रैंकिंग जैसे टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, यूनिवर्सिटी रैंकिंग फॉर एकेडमीक परफॉर्मेंस, वेबोमेट्रिक्स रैंकिंगए यूनिरैंकिंग, एडुरेंकिंग आदि में प्रतिबिंबित होते देखा जा सकता है।

AMRIT VICHAR PAGE 3

तैयारी शुरू | एलयू परीक्षा के जरिए कर रहा ब्रांडिंग, तीन केंद्र बनाने पर बनी सहमति

लविवि दूसरे राज्य में कराएगा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी की प्रवेश परीक्षा राजधानी के अलावा दूसरे राज्य में कराने की तैयारी कर रहा है। यह परीक्षा दूसरे राज्य में कराने का उद्देश्य विश्वविद्यालय की ब्रांडिग करना है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार इस परीक्षा के लिए तीन केंद्र बनाए जाने है, जिसमें प्रदेश की राजधानी लखनऊ, दूसरा केंद्र दिल्ली में और तीसरा केंद्र पूर्वांचल में शहर चयनित करने की प्रक्रिया चल रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के प्रवेश परीक्षा कराने के लिए लगातार तैयारी में जुटा हुआ है। कोरोना की दूसरी लहर के चलते वैसे ही प्रवेश परीक्षा कराने में विलंब हो चुका है। ऐसे में अब विश्वविद्यालय लहर के कम होते ही अनुकूल समय में ऑनलाइन परीक्षा कराने की तैयारी में हैं।

पहली बार दिल्ली में होगी प्रवेश परीक्षा

यह पहली बार है कि जब लविवि प्रशासन राजधानी के अलावा दूसरे राज्य में पीएचडी प्रवेश परीक्षा कराने जा रहा है। कोरोना के प्रभाव को देखते हुए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित होगी। पीएचडी प्रवेश की अंतिम तिथि 15 मई निर्धारित की गई थी। फिलहाल पीएचडी आवेदन में करीब सवा चार हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इसके लिए लखनऊ, दिल्ली के अलावा पूर्वांचल का शहर निर्धारित किया जाना है। यह शहर बनारस या गोरखपुर होगा, इस पर अभी निर्णय नहीं हो पाया है। कयास लगाया जा रहा है कि गोरखपुर में ही केंद्र बनाया जा सकता है।

> पीएचडी प्रवेश की ऑनलाइन परीक्षा अनुकूल समय पर कराया जाना सुनिश्चित किया गया है। इसके लिए केंद्र तय करने की प्रक्रिया चल रही है।
>
> **-प्रो. आलोक कुमार राय,** कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

नए नियम से होंगे प्रवेश : विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के प्रवेश बदले हुए नियमों के अनुसार से होंगे। नए नियम में अभ्यर्थी के एकेडमिक इंडैक्स को शामिल करने के साथ ही साक्षात्कार के दायरे को सीमित कर दिया गया है। पीएचडी प्रोग्राम में चयन में अब शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) के साथ नेट/जेआरएफ, एकेडमिक इंडैक्स का भी मूल्यांकन किया जाएगा। 70 प्रतिशत अंक प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे। बचे हुए 30 प्रतिशत में नेट/जेआरएफ का वेटेज और एकेडमिक इंडैक्स के साथ साक्षात्कार को आधार बनाया जाएगा। यहां साक्षात्कार के वेजेट के गिराकर 10 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। नेट/जेआरएफ वालों को भी शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) और साक्षात्कार में शामिल होना होगा। शोध प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में 50 प्रतिशत सवाल रिसर्च मैथेडोलॉजी और 50 प्रतिशत सवाल विषय संबंधित होंगे। प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार दोनों में शामिल होना अनिवार्य होगा। शोध प्रवेश परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य होगा।

HINDUSTAN PAGE 6

पीएचडी प्रवेश परीक्षा केन्द्र दिल्ली में भी

एलयू

लखनऊ | जावेद मुस्तफा

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी की प्रवेश परीक्षा राजधानी समेत दूसरे राज्य में कराने की तैयारी कर ली है। लविवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा जहां पहली बार पूरी तरह से ऑनलाइन होगी वहीं पहली बार ही प्रवेश परीक्षा के लिए तीन केन्द्र बनाए जा रहे हैं। ऑनलाइन पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए लखनऊ के साथ दिल्ली में परीक्षा केन्द्र बनाए जाने की सहमति बन गई है।

पूर्वांचल के छात्रों को मौका देने के लिए तीसरा केंद्र पूर्वांचल के गोरखपुर या वाराणसी में बनाया जाने का मंथन चल रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि महामारी में छात्रों को एक शहर से दूसरे शहर में जाने से रोकने के लिए दिल्ली में परीक्षा केन्द्र बनाया जा रहा है। सत्र 2020-21 के प्रवेश परीक्षा कराने के लिए एलयू लगातार तैयारी में जुटा है। कोरोना की दूसरी लहर के चलते प्रवेश परीक्षा में विलंब हो चुका है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी पाठ्यक्रम में आवेदन की तिथि को बढ़ा दिया है।

बदले नियमों के अनुसार होंगे इस बार प्रवेश

सत्र 2020-21 के प्रवेश बदले हुए नियमों के अनुसार से होंगे। नए नियम में अभ्यर्थी के एकेडमिक इंडैक्स को शामिल करने के साथ ही साक्षात्कार के दायरे को सीमित कर दिया गया है। पीएचडी प्रोग्राम में चयन में अब शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) के साथ नेट/जेआरएफ, एकेडमिक इंडैक्स का भी मूल्यांकन किया जाएगा। 70 प्रतिशत अंक प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे। बचे हुए 30 प्रतिशत में नेट/जेआरएफ का वेटेज और एकेडमिक इंडैक्स के साथ साक्षात्कार को आधार बनाया जाएगा। यहां साक्षात्कार के वेजेट के गिराकर 10 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है।

एलएलबी, एमएससी एमए के आए परिणाम

लखनऊ। एलयू ने एलएलबी, एमए और एमएससी के सेमेस्टर परिणाम जारी कर दिया। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि एलएलबी तृतीय वर्षीय सेमेस्टर प्रथम, एलएलबी पांच वर्षीय सेमेस्टर प्रथम का परिणाम जारी कर दिया। lkouniv. ac. in पर परिणाम देख सकते हैं।